BIHAR BOARD QUESTION PAPER

INTERMEDIATE EXAMINATION - 2013

इंटरमीडिएट परीक्षा - 2013

(ANNUAL / वार्षिक)

PHILOSOPHY

समय : 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

SECTION - A

I. प्रश्न संख्या 1 से 25 तक में एक हो उत्तर सही है। प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर को दिए गये चार विकल्पों में से चुनें :

1. निम्न में से कौन आस्तिक दर्शन है ?

(a) बौद्ध दर्शन

(b) जैन दर्शन

(c) न्याय दर्शन

(d) इनमें से कोई नहीं

2. निम्न में से कौन अनुभववादी नहीं है ?

(a) लॉक

(b) बर्कले

(c) काण्ट

(d) ह्यूम

BiharboardQuestionpaper.com

3. अद्वैत दर्शन के प्रवर्तक है

(a) रामानुज

(b) बल्लभ

(c) शंकर

(d) कपिल

4. फिलौसफी का अर्थ है

(a) नियमों का आविष्कार

(b) ज्ञान के प्रति प्रेम

(c) अमरत्व की आकांक्षा

(d) प्रत्यय की खोज

5. कर्म सिद्धान्त कारणतावाद

(a) तार्किक है

(b) न्यायिक है

(c) नैतिक

(d) इनमें से सभी

6. मीमांसा दर्शन हैं

(a) कर्मप्रधान

(b) आत्मप्रधान

(c) धर्मप्रधान

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

7. किसके अनुसार, 'गीता माता है' ?

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) विनोबा भावे

(c) श्री अरविन्द

(d) महात्मा गाँधी

8. बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रथम आर्य सत्य है

(a) सुख

(b) आनन्द

(c) दुःख का कारण

(d) दुःख

9. जैन दर्शन के प्रथम तीर्थकर कौन हैं ?

(a) महावीर

(b) ऋषभदेव

(c) पार्श्वनाथ

(d) महादेव

10. जिसके पास समबुद्धि होती है, उसे कहते हैं

(a) मुनि

(b) स्थितप्रज्ञ

(c) योगी

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

11. दुःख के कारणों का निवारण है

(a) चतुर्थ आर्य सत्य

(b) तृतीय आर्य सत्य

(c) द्वितीय आर्य सत्य

(d) प्रथम आर्य सत्य

12. अनेकान्तवाद की आधारशिला है।

(a) नयवाद

(b) स्यादवाद

(c) मोक्षवाद

(d) पुद्गलवाद

13. व्यापार नीतिशास्त्र अध्ययन है

(a) आदर्शों का

(b) मूल्यों का

(c) लाभ का

(d) नैतिकता का

14. शिक्षा दर्शन का आधार है

(a) प्रकृतिवाद

(b) अध्यात्मवाद

(c) (a) और (b) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

15. एसे-इस्ट परसीपी का सिद्धान्त किसने दिया है ?

(a) ह्यूम

(b) बर्कले

(c) मूर

(d) प्लेटो

16. पर्यावरण का संबंध है

(a) पशु से

(b) मनुष्य से

(c) देवता से

(d) वनस्पति से

17. सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं

(a) ऋषभदेव

(b) शाक्य मुनि

(c) कपिल

(d) कणाद

18. प्रत्ययवाद के अनुसार परम सत्ता है।

(a) प्रत्यय

(b) जड़

(c) तटस्थ

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

19. निरपेक्ष प्रत्ययवाद के प्रवर्तक हैं।

(a) बर्कले

(b) प्लेटो

(c) हिगेल

(d) लाइबनीज

20. भौतिकवाद के अनुसार परम सत्ता है

(a) प्रत्यय

(b) तटस्थ

(c) जड़

(d) ईश्वर

21. प्रयोजनात्मक, विश्वमीमांसीय एवं सत्तामूलक युक्ति है

(a) ईश्वर के अस्तित्व के

(b) आत्मा के अस्तित्व के

(c) जड़ के अस्तित्व के

(d) इनमें से किसी के नहीं

22. वस्तुएँ ज्ञाता से स्वतंत्र होती हैं, यह है

(a) बुद्धिवाद

(b) प्रत्ययवाद

(c) वस्तुवाद

(d) समीक्षावाद

BiharboardQuestionpaper.com

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..

23. किस दार्शनिक ने कहा है, 'ज्ञान संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय है' ?

(a) काण्ट

(b) हेगल

(c) लाइबनीज

(d) स्पिनोजा

24. किसने कहा है, 'मनुष्य सभी वस्तुओं का मापदंड है' ?

(a) अरस्तू

(b) प्लेटो

(c) सोफिस्ट

(d) बेन

25. काण्ट के ज्ञान विचार को

(a) समीक्षावाद कहते हैं

(b) अनुभववाद कहते है

(c) बुद्धिवाद कहते हैं

(d) इनमें से कोई नहीं

II. निम्नलिखित प्रश्न संख्या 26 से 30 में दो कथन दिए गये हैं। कथन (A) के बाद कारण (R)। दोनों कथनों को ध्यान से पढ़ें तथा नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A एवं R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(b) A एवं R दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, परन्तु R असत्य है।

(d) A असत्य है, परन्तु R सही है।

BiharboardQuestionpaper.com

26. कथन (A) : आवरण एवं विक्षेप माया की शक्तियाँ हैं।

कारण (R) : जगत प्रतिभासिक सत्ता है।

27. कथन (A) : अद्वैत वेदान्त के प्रवर्तक शंकर है।

कारण (R) : चैतन्य आत्मा का स्वरूप है।

28. कथन (A) : उपादान कारण को अंतिम कहते हैं।

कारण (R) : कारण और कार्य बराबर होते हैं।

29. कथन (A) : निरपेक्ष प्रत्ययवाद के प्रवर्तक हेगल हैं।

कारण (R) : आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद के समर्थक प्लेटो हैं।

30. कथन (A) : चिकित्सा नीतिशास्त्र की मुख्य समस्या गर्भपात है।

कारण (R) : व्यापार लाभ आधारित पेशा है।

III. प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो स्तंभ दिए गए हैं। स्तम्भ-I में चार प्रश्न दिये गये हैं। आपको स्तम्भ-II के विकल्पों में से सही मेल को चुनना है :

स्तम्भ-I	स्तम्भ-II
31. वैशेषिक दर्शन	(a) रिपब्लिक
32. पार्श्वनाथ	(b) वेदान्त
33. बादरायण	(c) जैन दर्शन
34. प्लेटो	(d) कणाद

BiharboardQuestionpaper.com

IV. प्रश्न संख्या 35 से 37 तक के लिए दिये गये अवतरण को ध्यान से पढ़ें तथा नीचे दिए गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

अवतरण : मन-शरीर संबंध का विश्लेषण देकार्त, स्पिनोजा एवं लाइबनीज ने अपने-अपने ढंग से किया है। देकार्त का विचार अन्तः क्रियावाद, स्पिनोजा का विचार समानान्तरवाद एवं लाइबनीज का विचार पूर्वस्थापित सामंजस्यवाद कहलाता है। देकार्त के अनुसार माइन्ड और बॉडी दोनों भिन्न हैं। मन सचेतन है जबकि शरीर अचेतन अंश है।

35. पूर्वस्थापित सामंजस्यवाद का सिद्धान्त किसने दिया है ?

(a) देकार्त्त

(b) स्पिनोजा

(c) लाइबनीज

(d) इनमें से कोई नहीं

36. समानान्तरवाद के विचारक हैं

(a) स्पिनोजा

(b) लाइबनीज

(c) अरस्तू

(d) इनमें से कोई नहीं

37. देकार्त समर्थक है

(a) पूर्वस्थापित सामंजस्यवाद के

(b) समानान्तरवाद के

(c) अन्तक्रियावाद के

(d) इनमें से किसी के नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा

निम्नांकित प्रश्नों 35-37 में एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। ऐसे प्रश्नों में सभी सही विकल्पों को चुनें:

35. भारतीय दर्शन का सम्प्रदाय है

(a) आस्तिक

(b) भौतिकवादी

(c) नास्तिक

(d) प्राकृतिक

36. अनुमान को प्रमाण के रूप में स्वीकार किया गया है

(a) सांख्य दर्शन में

(b) न्याय दर्शन में

(c) बौद्ध दर्शन में

(d) इनमें से कोई नहीं

37. पर्यावरण के प्रकार हैं

(a) भौतिक

(b) सांस्कृतिक

(c) मानसिक

(d) आध्यात्मिक

SECTION - B

प्रश्न संख्या 1 से 15 तक लघु उत्तरीय कोटि के हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है।

BiharboardQuestionpaper.com

1. भारतीय दर्शन की परिभीजिए।

2. पुरुषार्थ क्या है ?

3. योग का क्या अर्थ है ?

4. 'कर्म में त्याग' की व्याख्या करें।

5. अनुमान की परिभाषा दें।

6. सविकल्पक प्रत्यक्ष की व्याख्या करें

7. पुग्दल क्या है ?

8. स्थितप्रज्ञा का अर्थ लिखें।

9. बुद्धिवाद का वर्णन करें।

10. काण्ट के अनुसार ज्ञान की व्याख्या करें।

11. भौतिकवाद क्या है ?

12. प्रत्ययवाद एवं भौतिकवाद में अंतर करें।

13. नीतिशास्त्र की परिभाषा दें।

14. कर्म की व्याख्या करें।

15. शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

प्रश्न संख्या 16 से 20 तक दीर्घ उत्तरीय कोटि के हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

16. अनेकान्तवाद की व्याख्या करें।

अथवा

ईश्वर के अस्तित्व संबंधी प्रमाणों को दें।

17. अद्वैत वेदान्त के आत्मा के स्वरूप की व्याख्या करें।

अथवा

अनुभववाद की समीक्षात्मक व्याख्या करें।

BiharboardQuestionpaper.com

18. सप्तभंगी नय से आप क्या समझते हैं ? विवेचना करें।

अथवा

प्रत्ययवाद की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें।

19. दर्शनशास्त्र के स्वरूप की व्याख्या करें तथा जीवन के साथ इसके संबंध को दर्शाइए।

अथवा

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र की परिभाषा दें। इसकी विषय-वस्तु का उल्लेख करें।

20. शिक्षा दर्शन की परिभाषा दें तथा इसके दार्शनिक आधारों की विवेचना करें।

अथवा

गीता के अनासक्त कर्म की विवेचना करें।

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..

BiharboardQuestionpaper.com